DR. RAM MANOHAR LOHIA AVADH UNIVERSITY, AYODHYA

FORMAT FOR DEVELOPING SYLLABUS FOR A SUBJECT

Proposed Structure of Syllabus for the

PROGRAMME (B.A.), SUBJECT (Jainology)

Syllabus Developed/Proposed by				
SN	Name of Expert/BoS Member	Designation	Department	College/ University
1.	प्रो0 अजय प्रताप सिंह	संकायाध्यक्ष	कलासंकाय	डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या।
2.	डॉ0 देवनारायण वर्मा	समन्वयक	श्री ऋषभदेव जैन शोध पीठ	डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या।
3.	प्रो0 अनिल कुमार	आचार्य	प्राचीन इतिहास विभाग	लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।
4.	डॉ0 अमित उपाध्याय	सहायक आचार्य	प्राचीन भारतीय इतिहास एवंपुरातत्व विभाग	काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
5.	डॉ0 प्रियंका सिंह	सहायक आचार्य	प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग	काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
6.	डॉ0 अनुराधा सिंह	सहायक आचार्य	इतिहास विभाग	काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।

Semesterwise Title of the Papers in UG Jainology(जैन विद्या) Course						
Year	Semester	Couse Code	Paper Title	Theory/ Project	Training/ Survey/ Research Project	Credits
		Certificate inJainology(जैन विद्या)				
First	SEM-I	A510101T	जैन धर्म एवं संस्कृति	T		06
	SEM-II	A510201T	जैन तीर्थंकर एवं आचार्य	T		06
		Diploma in Jainology(जैन विद्या)				
Second	SEM-III	A510301T	जैनसंघ एवं सम्प्रदाय	T		06
	SEM-IV	A510401T	जैन धर्म में कर्मसाधना एवं न्यायमीमांसा	T		06
		Bachelor in Jainology(जैन विद्या)				
Third	SEM-V	A510501T	जैनकला (प्रारम्भ से गुप्तकाल तक)	T		06
		A510502T	जैनकला (पूर्व मध्यकाल एवं मध्यकाल)	T		06
		A510503R	प्रोजेक्टकार्य	R		06
	SEM-VI	A510601T	भारत के प्रमुख जैन तीर्थस्थल	T		06
		A510602T	जैन धर्म एवं दर्शन	T		06
		A510603R	डिजरटेशन	R		06

Graduate with Research in Jainology(जैन विद्या)						
Fourth	SEM-VII	A510701T	जैन धर्म की प्राचीनता एवं स्वरूप	T		04
		A510702T	जैन धर्म का इतिहास	T		04
		A510703T	जैन धर्म में तीर्थंकर परम्परा	T		04
		A510704T	जैन धर्म का सामाजिक एवं आर्थिक पक्ष	T		04
		A510705T	जैन संघ एवं सम्प्रदाय	T		04
			जैन तीर्थ स्थलों का शैक्षणिक भ्रमण		Report	04
	SEM-VIII		Major Research Project		Thesis	24

Subject Prerequisites: This subject is open for all.
Program Outcomes (POs): This subject will introduce students to new concept of Jaina Philosophy. These concepts will enhance the conceptual & philosophical learning and understanding of the basic concept used in Jainology. This paper will impact for the development of Jaina Philosophy & its doctrines are also useful for the society.

Program Specific Outcomes (PSOs)		
First Year	Students will know about the origin and History of Jain Dharam & Culture with Jaina Philosophy.	They also know about the teachings & doctrines of 24 Teerthankaras and various Acharyas of Jaina Dharma
Second Year	Students will knows Jaina Unions and various sects of Jain Dharma.	They also know about the Karma Philosophy and Jurisprudence of Jain Dharma.
Third Year	In this year students will have knowledge about the Jaina art from the beginning to the Gupta period and from early medieval to medieval era.	Students will also know about the major Jain Pilgrimage sites of India alongwith their importance.

Semester wise Paper Titles with Details					
Year	Semester	Paper	Paper Title	Prerequisite for Paper	Elective for Major Subjects
		Certificate in Jainology (जैन विद्या)			
First	SEM-1	Theory Paper - I	प्रथमप्रश्नपत्र:-जैन धर्म एवं संस्कृति अंक: 75+25=100 इकाई 1:- अध्ययन के स्रोत-साहित्य एवं पुरातत्व। इकाई 2-श्रमणपरम्परा की प्राचीनता। इकाई 3-श्रमणपरम्परा की उत्पत्ति और कारण। इकाई 4-ब्राह्मण और श्रमणपरम्परा। इकाई 5-जैन धर्म की प्राचीनता और विकास। इकाई 6-जैन धर्म का प्रभाव। पाठ्य पुस्तकें- 1. ऋषभदेव, लेखक-आचार्य श्री देवेन्द्रमुनि। 2. जैन धर्म एक अनुशीलन, लेखक- डॉ0 राजेन्द्रमुनि। 3. भारतीय संस्कृति मे जैन धर्म का योगदान, लेखक- डॉ0 हीरालाल जैन।		

	SEM-II	Theory Paper – II	द्वितीय प्रश्नपत्रः जैन तीर्थंकर एवं आचार्य अंकः 75+25=100 इकाई 1–जैन तीर्थंकरों की परम्परा। इकाई 2–जैनआगमों में वर्णित त्रिसठ शलाकापुरुष। इकाई 3–तीर्थंकर ऋषभदेव एवं उनके सिद्धान्त। इकाई 4–तीर्थंकर पार्श्वनाथ और उत्तरवर्ती परम्पर। इकाई 5–तीर्थंकर महावीर एवं उनकी शिक्षायें। इकाई 6–प्रमुख जैनआचार्य। पाठ्य पुस्तकें– 1. जैन धर्म के 24 तीर्थंकर, लेखक–आचार्यदेवेन्द्रमुनि। 2. आचारांगसूत्र एक अध्ययन, लेखक– डॉ0 परमेष्ठीलाल जैन। 3. जैन साहित्य का बृहद इतिहास, लेखक–लाला हंसराज जैन। 4. जैन धर्मकी रूपरेखा, लेखक– झिनकू यादव।		
		Diploma inJainology(जैन विद्या)			
Second	SEM-III	Theory Paper - III	तृतीय प्रश्नपत्रः– जैनसंघ एवंसम्प्रदाय अंकः 75+25=100 इकाई 1–जैन धर्म और इतिहास–लेखन। इकाई 2–जैनसंघ का विकास। इकाई 3–जैन सम्प्रदाय–दिगम्बर और श्वेताम्बर। इकाई 4–जैनसंगीति। इकाई 5–जैन धर्म पर समकालीन अन्य परम्पराओं का प्रभाव। इकाई 6–जैनपर्व एवं रीति–रिवाज। पाठ्य पुस्तकें– 1. Jaina Karmology, Writer- Dr. N.L. Jain. 2. जैनपरम्परा में ध्यान का स्वरूप, लेखिका– डॉ0 सीमारानी शर्मा। 3. जैन योग का अलोचनात्मक अध्ययन, लेखक– डॉ0 अर्हददासबंडोबा।		
	SEM-IV	Theory Paper – IV	चतुर्थप्रश्नपत्रः– जैन धर्म में कर्मसाधना एवं न्याय मीमांसा अंकः 75+25=100 इकाई 1–कर्म का स्वरूप–भेद–प्रभेद। इकाई 2–कर्मबन्ध–उदय एवंसत्व। इकाई 3–कैवल्य ज्ञान एवंमोक्ष। इकाई 4–प्रमाण एवंन्याय। इकाई 5– ध्यानसाधना। पाठ्य पुस्तकें– 1. जैन धर्म में न्याय का सिद्धान्त, लेखक– डॉ0 सागरमल जैन। 2. Concept of Matter in Jaina Philosophy, Writer- Dr. J.C. Sikdar 3. जैनदर्शन का विश्लेषणात्मक अध्ययन, लेखक–श्री देवेन्द्रमुनि। 4. जैन धर्म और दर्शन, लेखक–मोहनलाल मेहता।		
		Degree in Bachelor of Jainology(जैन विद्या)			
Third	SEM-V	Theory Paper - V	पंचमप्रश्नपत्रः– जैनकला (प्रारम्भ से गुप्तकाल तक) अंकः 75+25=100 इकाई 1–जैनप्रतीक। इकाई 2–प्रारम्भिक जैन प्रतिमायें, गुप्तकाल तक। इकाई 3–जैन स्थापत्यकला (गुफा, मन्दिर, स्तूप)। इकाई 4–जैन चित्रकला। इकाई 5–जैन कला पर अन्य कला का प्रभाव।		

			पाठ्य पुस्तकें– 1. जैनकला एवं स्थापत्य, लेखक–श्रीअमलानन्द घोष। 2. जैन प्रतिमायें, लेखक– प्रो० किरण कुमार धनलियाल। 3. Studies in Jaina Art, Writer- Dr. U.P. Singh.		
		Theory Paper - VI	षष्ठप्रश्नपत्र:– जैनकला (पूर्व मध्यकाल एवं मध्यकाल) अंक: 75+25=100 इकाई 1–पूर्व मध्यकालीन जैन प्रतिमायें। इकाई 2– मध्यकालीन जैन प्रतिमायें। इकाई 3–जैनस्थापत्य (गुहा एवं मन्दिर)। इकाई 4–जैन चित्रकला। पाठ्य पुस्तकें– 1. जैनअभिलेख, लेखक डॉ० पी०एल० गुप्ता. 2. जैन की जैन गुफायें, लेखक– डॉ० हरिहर सिंह। 3. जैनतीर्थों का ऐतिहासिक अध्ययन, लेखक– डॉ० शिवप्रसाद।		
		Practical PaperVII	सप्तमप्रश्नपत्र:– प्रोजेक्टकार्य अंक: 100		
	SEM-VI	Theory Paper - VIII	अष्टमप्रश्नपत्र:– भारत के प्रमुख जैन तीर्थस्थलअंक: 75+25=100 इकाई 1–उत्तर भारत के प्रमुख जैनतीर्थ स्थल। इकाई 2– मध्य भारत के प्रमुख जैनतीर्थ स्थल। इकाई 3–दक्षिण भारत के प्रमुख जैनतीर्थ स्थल। इकाई 4–पश्चिम भारत के प्रमुख जैनतीर्थ स्थल। पाठ्य पुस्तकें– 1. जैन एवं बौद्ध साहित्य में वर्णित भूगोल, लेखक– डॉ० देवनारायण वर्मा। 2. हिन्दी जैन साहित्य का बृहद इतिहास, लेखक– डॉ० शितिकंठ मिश्र। 3. जैनतीर्थों का ऐतिहासिक अध्ययन, लेखक– डॉ० शिवप्रसाद।		
		Theory Paper - IX	नवमप्रश्नपत्र:– जैन धर्म एवं दर्शन अंक: 75+25=100 इकाई 1–जैन धर्म में अनेकान्तवाद एवंस्यादवाद। इकाई 2–जैन धर्म में तत्वमीमांसा। इकाई 3–जीव–अजीव। इकाई 4–श्रावकाचार। इकाई 5–श्रमणाचार। पाठ्य पुस्तकें– 1. जैन एवं बौद्ध धर्म, लेखक– डॉ० देवनारायण वर्मा। 2. जैन धर्म एवंतांत्रिक साधना, लेखक– डॉ० सागरमल जैन। 3. सामायिक एवं श्रावक प्रतिक्रमण, लेखिका–श्रीज्ञानमती माताजी।		
		Practical Paper - X	डिजरटेशन		

Syllabus Developed/Proposed by				
SN	Name of Expert/BoS Member	Designation	Department	College/ University
1.	प्रो0 आशुतोष सिन्हा	संकायाध्यक्ष	कलासंकाय	डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या।
2.	डॉ0 देवनारायण वर्मा	समन्वयक	श्री ऋषभदेव जैन शोध पीठ	डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या।
3.	प्रो0 अनिल कुमार	आचार्य	प्राचीन इतिहास विभाग	लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।
4.	डॉ0 अमित उपाध्याय	सहायक आचार्य	प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग	काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
5.	डॉ0 प्रियंका सिंह	सहायक आचार्य	प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग	काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
6.	डॉ0 अनुराधा सिंह	सहायक आचार्य	इतिहास विभाग	काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।

Graduate with Research in Jainology (जैन विद्या)

Fourth	SEM-VII	Theory Paper-XI	**एकादश प्रश्न पत्र – जैन धर्म की प्राचीनता एवं स्वरूप** 75+25=100 इकाई 1– भारतीय ज्ञान परम्परा में जैन तीर्थंकरों की शिक्षाएं एवं उपदेशों का महत्व इकाई 2– ऋषभदेव की ऐतिहासिकता इकाई 3– ऋषभदेव से पार्श्वनाथ तक जैन धर्म का स्वरूप इकाई 4– तीर्थंकर महावीर व उनके पश्चात जैन धर्म का स्वरूप पाठ्य पुस्तकें– 1. जैन धर्म का इतिहास लेखक– कैलाश चन्द्र जैन 2. जैन धर्म का मौलिक इतिहास लेखक– आचार्य हस्तीमल 3. जैन एवं बौद्ध धर्म लेखक– डॉ0 देवनारायण वर्मा 4. भारतीय संस्कृति में जैन धर्म का योगदान, लेखक– डॉ0 हीरालाल जैन 5. जैन धर्म एक अनुशीलन लेखक– डॉ0 राजेन्द्र मुनि		
		Theory Paper-XII	**द्वादश प्रश्न पत्र– जैन धर्म का अन्य धर्म के साथ तुलनात्मक अध्ययन** 75+25=100 इकाई 1– जैन धर्म एवं वैष्णव धर्म इकाई 2– जैन धर्म एवं शैव धर्म इकाई 3– जैन धर्म एवं बौद्ध धर्म इकाई 4– जैन धर्म एवं लोक परम्परा पाठ्य पुस्तकें– 1. जैन धर्म एवं बौद्ध धर्म लेखक– डॉ0 देव नारायण वर्मा 2. जैन धर्म का ऐतिहासिक अध्ययन लेखक– डॉ0 शिव प्रसाद 3. हिन्दी जैन साहित्य का बृहद इतिहास लेखक– डॉ0 शितिकंठ मिश्र 4. जैन धर्म एक अनुशीलन लेखक– डॉ0 राजेन्द्र मुनि		

		Theory Paper-XIII	त्रयोदश प्रश्न पत्र– जैन साहित्य का इतिहास 75+25=100 इकाई 1– जैन साहित्य : परिचय एवं वर्गीकरण इकाई 2– जैन प्राकृत साहित्य इकाई 3– जैन संस्कृत साहित्य इकाई 4– जैन साहित्य एवं क्षेत्रीय भाषायें पाठ्य पुस्तकें– 1. जैन साहित्य का इतिहास लेखक– नाथूराम प्रेमी 2 जैन साहित्य का इतिहास लेखक– पं0 कैलाशचन्द्र 3 जैन साहित्य का वृहद इतिहास लेखक– डॉ0 जगदीश चन्द्र जैन एवं डॉ0 गोकुलचन्द मेहता 4. भारतीय संस्कृति में जैन धर्म का योगदान लेखक– डॉ0 हीरालाल जैन		
		Theory Paper-XIV	चतुर्दश प्रश्न पत्र– जैन अभिलेखों का अध्ययन 75+25=100 इकाई 1– जैन अभिलेख : वैशिष्ट्य एवं वर्गीकरण इकाई 2– जैन अभिलेखों की विषय वस्तु इकाई 3– जैन अभिलेखों की भाषा एवं लिपि इकाई 4– जैन अभिलेखों का ऐतिहासिक महत्व पाठ्य पुस्तकें– 1. जैन अभिलेख परिशीलन लेखक– कस्तूर चन्द जैन 2. राजस्थान के जैन अभिलेखों का सांस्कृतिक अध्ययन लेखक– श्यामा प्रसाद व्यास 3. Indian Epigraphy Writer – D.C. Sarkar		
		Theory Paper-XV	पंचदश प्रश्न पत्र– जैन धर्म, पर्यावरण और विज्ञान 75+25=100 इकाई 1– जैन धर्म में पर्यावरण की अवधारणा इकाई 2– जैन धर्म में पर्यावरण संरक्षण इकाई 3– जैन धर्म में वैज्ञानिक विचार इकाई 4– आधुनिक काल में जैन धर्म एवं दर्शन की वैज्ञानिक प्रगति तथा पर्यावरण संरक्षण के बीच सामंजस्य पाठ्य पुस्तकें– 1.जैन धर्म और पर्यावरण लेखक– भागचन्द्र जैन 'भास्कर' 2 जैन धर्म और पर्यावरण संरक्षण लेखक– डॉ0 शिव प्रसाद 3. सामयिक एवं श्रावक प्रतिक्रमण लेखिका– श्री ज्ञानमती माता जी। 4. जैन परम्परा में ध्यान का स्वरूप लेखक– डॉ0 सीमा रानी शर्मा		
			जैन तीर्थ स्थलों का शैक्षणिक भ्रमण एवं रिपोर्ट		
	SEM-VIII		Major Research Report (Thesis)		

Priyanka Singh

Programme/Class: B.A.	Year: I, II, III, IV	Semester: I, II, III, IV, V, VI, VII, VIII
Subject: Jainology (जैन विद्या)		
Course Code:	Course Title: Jainology (जैन विद्या)	
Course outcomes: This subject will introduce students to new concept of Jaina Philosophy. These concepts will enhance the conceptual & philosophical learning and understanding of the basic concept used in Jainology. This paper will contribute in enriching the historical, philosophical & religious temperament of the students. The course is totally based on the Jaina Philosophy & religion. This paper will impact for the development of Jaina Philosophy & its doctrines are also useful for the society.		
Credits:	Core Compulsory / Elective	
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks:	
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: 6-0-0 or 3-1-0 Etc		

Pepars	Topics	No. of Lectures
I	जैन धर्म एव संस्कृति	90
II	जैनतीर्थंकर एवं आचार्य	90
III	जैनसंघ एवं सम्प्रदाय	90
IV	जैन धर्मैककर्मसाधना एवं न्यायमीमांसा	90
V	जैनकला (प्रारम्भ से गुप्तकाल तक)	90
VI	जैनकला (पूर्व मध्यकाल एवं मध्यकाल)	90
VII	प्रोजेक्टकार्य	
VIII	भारत के प्रमुख जैनतीर्थ स्थल	90
IX	जैन धर्म एवं दर्शन	90
X	लिजरटेशन	
xi	जैन धर्म की प्राचीनता एवं स्वरूप	90
xii	जैन धर्म का अन्य धर्म के साथ तुलनात्मक अध्ययन	90
xiii	जैन साहित्य का इतिहास	90
xiv	जैन अभिलेखों का अध्ययन	90
xv	जैन धर्म, पर्यावरण और विज्ञान	90
	Major Research Project	

Suggested Readings:

1. Author Sir name, Initials, "Book Title", Publisher name, City/country of publication, Year of publication. Edition No. if any.
2. Author Sir name, Initials, "Book Title", Publisher name, City/country of publication, Year of publication. Edition No. if any.
3. Suggestive digital platforms web links

This course can be opted as an elective by the students of following subjects: B.A (Jainology)

Suggested Continuous Evaluation Methods: Project file evaluation, main focus on presentation, content and proper use of research methodology, Viva-Voce.

Course prerequisites: Open for all.

Suggested equivalent online courses: .....

Further Suggestions: .....

Any remarks/ suggestions:

.....